Website: www.rssrashtriya.org E-mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय: 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर-302001
संरक्षक: सर्वश्री राजनारायण शर्मा, उमराव लाल वर्मा, रामावतार शर्मा, प्रहलाद शर्मा

(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

रमेश चन्द्र पुष्करणा	सम्पत सिंह	घनश्याम	महेन्द्र कुमार लखारा
अध्यक्ष	सभाध्यक्ष	संगठन मंत्री	महामंत्री
9460057712	9413344625	9460613672	9460209114

क्रमांक: रा.शि.संघ (राष्ट्रीय)/महामंत्री/0220 **दिनांक- 06/05/2025**

श्रीमान भजन लाल जी शर्मा,
माननीय मुख्यमंत्री महोदय,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

विषयः- भारतीय नववर्ष एवं राजस्थान स्थापना दिवस पर लगाए गए धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को हटाए जाने के संबंध में।

महोदय,

निवेदन है कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा 2082, दिनांक 30 मार्च 2025 को भारतीय नववर्ष को राजस्थान स्थापना दिवस मनाने की आपकी ऐतिहासिक घोषणा से प्रेरित होकर शिक्षा संकुल परिसर में कार्यरत समस्त कार्मिकों द्वारा एकता, सांस्कृतिक गौरव एवं राष्ट्रप्रेम की भावना से प्रेरित होकर राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल के भवन को सजाया गया। इस सजावट में, भगवान ब्रह्मा जी, भगवान श्रीराम, प्रणव चिह्न 'ॐ', वरुणावतार ,संत झूलेलाल, स्वामी दयानंद सरस्वती महर्षि गौतम, सिख पंथ के द्वितीय गुरु अंगद देव जी एवं संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार आदि आराध्यों के चित्र के साथ-साथ झंडियां, स्टीकर एवं पोस्टर लगाए गए थे।

उक्त भवन में लगाए गए इन धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीकों को निदेशक माध्यमिक शिक्षा, जो की निरंतर इसी परिसर में विराजते हैं के द्वारा अपने निजी सहायक के माध्यम से दिनांक 02 मई 2025 को हटवा दिया गया। हटाने की प्रक्रिया में इन प्रतीकों को खुरचकर कूड़ेदान में डाल दिया गया, जिससे न केवल परिसर के कार्मिकों की अपितु समस्त शिक्षकों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई है। यह कृत्य हमारे गौरवपूर्ण भारतीय और राजस्थानी सांस्कृतिक मूल्यों के अपमान जैसा प्रतीत हुआ है।

इसी परिसर में एक तरफ अल्पसंख्यक मदरसा बोर्ड शिक्षा-संकुल राजस्थान में अलग से नमाज कक्ष बना कर के नमाज पढ़ाई जा रही है और दूसरी तरफ उपरोक्त कृत्य किया जा रहा जो एक तरह से दुर्भावना का प्रतिक है।

इस प्रकार का व्यवहार अस्वीकार्य, पीडादायक एवं निराशाजनक है। यह कृत्य शिक्षा संकुल में कार्यरत कार्मिकों एवं समस्त शिक्षकों की धार्मिक आस्थाओं एवं सांस्कृतिक भावनाओं के विपरीत है।

आपसे निवेदन है कि कृपया इस प्रकरण की जांच कराकर दोषियों पर अविलंब कार्यवाही की जाए।

भवदीय

महेंद्र लखारा

(महेंद्र कुमार लखारा)
महामंत्री